[श्री रामविलास पासवान]

में मुसलमानों की जितनी आबादी है, उससे अधिक प्रतिशत मुसलमान जेलों में हैं। अलीपुर सेंट्रल जेल में 1222 कैदियों में से 530 मुसलमान हैं। गाज़ियाबाद जेल में 2200 में से 720 कैदी मुसलमान हैं। इसके विपरीत गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 16.6 लाख की देश में पुलिस फोर्स है, जिसमें सिर्फ 1 लाख 8 हज़ार मुसलमान हैं (जो सिर्फ 6% हैं), इनमें से 46,250 यानी करीब आधे जम्मू-कश्मीर से हैं। सच्चर कमेटी के अनुसार दिल्ली में मुसलमानों की आबादी 12% है जबकि पुलिस फोर्स में सिर्फ 2% है। 1996 में 16 वर्षों के आमिर खान को बम ब्लास्ट केस में गिरफ्तार किया गया और 14 साल के बाद निर्दोष करार कर अदालत ने छोड़ दिया। शोक में उसके पिता का स्वर्गवास हो गया और मां को लकवा मार गया। यह तो सिर्फ एक उदाहरण है।

अत: मेरी मांग है कि आतंकवाद के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की जाए। जो निर्दोष कोर्ट के द्वारा छोड़े जाते हैं, उनके पुनर्वास एवं रोज़गार की व्यवस्था की जाए। आबादी के अनुपात में मुसलमानों को पुलिस सेवा में नियुक्त किया जाए और रंगनाथ मिश्रा कमीशन की सिफारिशों को तत्काल लागू किया जाए।

Concern over commencement of cash transfer scheme based on Aadhar and its inflationary effects

SHRI RANGASAYEE RAMAKRISHNA (Karnataka): Sir, 34 schemes outlined by the Finance Minister in his reply to the Short Notice Question on 13th December do not include any entitlement in kind converted into a direct cash transfer. The imperfections in the AADHAR Scheme do not make it appropriate to extend the list to include entitlements in kind. But the recent launching of the Annashree Scheme in Delhi negates this perception. The purpose of this Special Mention is to caution against the inflationary effects on the Scheme. I, therefore, urge the Government to take corrective steps in this regard.

Demand to take urgent steps to construct all major bypasses on National Highways in Kerala

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, the National Highways in Kerala are becoming one of the most time consuming roads for the commuters in the country. The limited land area and high density of population plus the rapidly increasing automobile population contributes to the misery of the travellers. The peculiarity of Kerala's residential behaviour made all the roads to go through human habitats. The National Highways in Kerala have to cross through hundreds of small, medium and big towns. These are points of standstill traffic, because it is just like travelling through busy market places.